

निर्मला पन्त हत्या प्रकरण

अब्बेसम १२० के डीएनए परीक्षण

कञ्चनपुर, ६ माघ। कञ्चनपुरके भीमदत्त नगरपालिकास्थित उल्टाखामके १३ वर्षीय निर्मला पन्तको १० सावन २०७५मे बलाकारपाले हत्या हुइ रहे।

हत्यामे संलग्न व्यक्ति पता लगाइकलाग प्रहरी अब्बेसम १२० जनहनके डीएनए जाँच कैलेसे फेन डीएनए म्याच नैहोके अनुसन्धानके नतिजा शून्य अवस्थामे रहल बा। उपप्रधान एवं गृहमन्त्री नियुक्त हुइलापाले रवि लामिछाने निर्मला पन्तके हत्याबारे न्यायिक छानबिन कैना पहिले निर्णय करले।

गृहमन्त्रीके निर्णय अनुसार हत्या अनुसन्धानहे प्रभावकारी बनाइकलाग पुस १५ मे डीआईजी दुर्गा सिंहके नेतृत्वमे नयाँ समिति बनल। सिंह नेतृत्वके समिति कञ्चनपुरमे आके स्थलगत अनुसन्धान कैके फिर्ता हुइल बा। समितिके निष्कर्ष बा-हत्या आरोपी पता लगाइकलाग डीएनए मिलाके विकल्प नैहो।

निर्मलाके हत्यापाले केन्द्रीय अनुसन्धान व्यूरोके तत्कालीन डीएसपी अंगुर जिसी नेतृत्वके टीमसे दिलिपसिंह विष्टहे पकाउ करल रहे। निर्मलाके 'भजाइनल स्वाब' सँग विष्टके डीएनए म्याच नैहुइलपाले २०७५ भदौ २६ मे

सरकारी वकिल कार्यालयसे विष्टहे साधारण तारेखमे छोना निर्णय करल रहे। दिलिप सिंह छुटलपाले प्रहरी अब्बेसम १२० जनहनके रगतके स्थाप्तल लेके डीएनए परीक्षण करले बा। उ बारे प्रहरी प्रधान कार्यालयमे केन्द्रीय अनुसन्धान व्यूरोके अनुसन्धान अधिकृतहुके गृहमन्त्री रवि लामिछाने हे ब्रिफिड करले बाटै।

हत्यापाले केन्द्रीय अनुसन्धान व्यूरोलागतार टीम परिचालन करटी रहल बा। दुर्गा सिंहके नेतृत्वमे समिति गठन हुइना आधे फेन व्यूरोसे इन्स्पेक्टर धनदेव साउद नेतृत्वके टीम कञ्चनपुरमे बैठके काम करटी रहल रहे। डीआईजी सिंह नेतृत्वके पाले समितिसे डीएनए जाँच कैना ५ जनहनके रगतके स्थाप्तल संकलन करले बा। उ मध्ये दुइजाने

भारतीय रहल बाटै जेम्ने निर्मलाके घर लगो टिना खेती करहुयाके छावा मोहम्मद इस्लाम हुइट। मने भारतस्थित ओहकान गाउँमे अके नाउँ रहल दुई जाने रहल पाइलपाले दुनु जनहनके रगतके नमुना परीक्षण करल प्रहरी सोतके कहाउ रहल बा।

मने, उ दुनु जनहनके डीएनएके रिपोर्ट 'नेगेटिभ' आइल बा। कञ्चनपुर घर रहल ३ जनहनके नमुना प्रहरीके केन्द्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशालामे परीक्षण करल बा। उहाँहुकनके रिपोर्ट अडाना बाँकी रहल बा। सिंह नेतृत्वके समितिसे निर्मला हत्याबारे नयाँ शिरासे अनुसन्धान हुइटी रहल जनहन बाटै। समितिसे पुरान अनुसन्धान प्रतिवेदन आके संकलित प्रमाण फेन विश्लेषण करटी रहल बा। समितिके सदस्य समेत रहल केन्द्रीय अनुसन्धान व्यूरोके प्रवक्ता (एसपी) कमल थापा अब्बेसमके अनुसन्धानके पुनरावलोकन करल ओ आमामी अनुसन्धानहे कैसिक आधे बैठना कताबारे छलफल करटी रहल बाटै। एसपी थापा आरोपित पहिचान नैहुइलपासम सीआईबीसे अनुसन्धान जारी रख्ना बाटै।

उहाँ डीएनए मिलाके विकल्प नैरहल बाटै। २०७५ साउनमे घटनास्थल आसपासमे रहलके नमुना संकलन करल बा। निर्मला हत्या प्रकरणमे केन्द्रीय अनुसन्धान व्यूरो (सीआईबी) 'मास डीएनए'के कन्सेप्ट लेहल नैहो। व्यूरोसे लगेक धेराको मनैनके नमुना लेके परीक्षण कैना विधि अपनैले बा। डीएनए परीक्षण कैना अब्बेक विधि अनुसार प्रहरी शंकाके आधारमे पात्र छानके स्थाप्तल संकलन कैके परीक्षण करटी आइल बा। दुव्यस्तनके लत बैठल, घटनास्थलसे खोलुवा नाघके उपार जाइ सेक्ना ओ यौन मनोविज्ञान विशित रहल हुक्कासे प्रहरी नमुना संकलन करटी रहल बा।

परिस्थितिजन्य प्रमाण अनुसार वैज्ञानिक परीक्षणके लाग लेहल स्थाप्तल

निर्मलाके 'भजाइनल स्वाब' सँग मिले परद। 'भजाइनल स्वाब'से विधि विज्ञान प्रयोगशालासे १६ ठो क्यारेक्टर डेभलप करले बा।

'वाइ एस्टीआर' विधिसे करल उ परीक्षणसे पुरुष वंश पता लाग्न। निर्मला घटना छानबिन कैना डीएनए विज्ञान रिजालके नेतृत्वमे गठन हुइल समितिसे इहीसे आधे गठन हुइल समितिसे 'अटोजोमल' विधिसे परीक्षण करे पर्ना कहटी अनुसन्धानमे हुयुमन इन्टेलिजेन्सहे जोड डेना सुझाइल रहे।

रिजालके अनुसार 'अटोजोमल' विधिसे परीक्षण करेर 'पिन प्वाइट्न्ट' पता लाग्न। अर्थात, सम्बन्धित आरोपित नै पता लाठे। रिजाल नेतृत्वके समितिसे 'वाइ एस्टीआर'मे पुरुषके डीएनए भेट्नाके मतलव बाट स्वीकरटी आपन प्रतिवेदनमे लिल्ले बाटै, 'पुरुषके डीएनए भेट्नाके मतलव मेल कन्ट्रिब्युटर बा कना हो।' रिजाल नेतृत्वके समितिसे भजाइनल स्वाब संकलनमे समस्या डेख्न निष्कर्ष निकटी डीएनए परीक्षण विधिसे हुयुमन इन्टेलिजेन्स प्रयोग कैके अनुसन्धान कैना सुझैले बा। मने, निर्मला प्रकरणमे ८ जाने प्रहरी कारवाही भोगल हुइल ओरसे अनुसन्धान अधिकृतहुके औरे विधिमे जैना हिच्छिचाइल बाटै।

अटोजोमल विधिसे परीक्षण नैकैनाके कारणबारे केन्द्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला प्रमुख डा. राकेश सिंह 'अनुपात कम हुइल ओरसे अटोजोमल एस्टीआर करे नैसेकल' बैठना करल बाटै। वाइ एस्टीआर विधिबाट डेभलप करल १६ ठो क्यारेक्टरसँग नमुना मिललपाले आरोपितके वंश पता लग्ना ओ ओकरपाले अनुसन्धान साकिर हुइना प्रहरी अधिकारीहुके बाटै। निर्मला पन्तके हत्याबारे इहीसे आधे ५ ठो समितिसे छानबिन ओ अनुसन्धान करले बाबै। डीआईजी दुर्गा सिंहके नेतृत्वमे बनल समिति छैटौ हो। २०७५ भदौ ६ मे सहस्रिव हरिप्रसाद मैतालीके नेतृत्वमे समिति बनल रहे।

प्रहरी अतिरिक्त महानिरीक्षक

(एआईजी) धिरु बस्त्यातके नेतृत्वमे ०७५ भदौ १४ मे छानबिन समिति बनल। २०७५ कार्तिक २७ मे राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगसे समिति गठन करल रहे।

०७६ भदौ २६ मे डीएनए विज्ञान जीवन प्रसाद रिजालके नेतृत्वमे गठन हुइल समितिसे फेन घटनाबारे छानबिन कैके सुझाव डेहल रहे। २०७६ माघ ११ मे तत्कालीन डीआईजी सुरज केसीके नेतृत्वमे बनल पुनरावलोकन समितिसे फेन प्रतिवेदन डेहल रहे। निर्मलाके हत्याबारे हालसम ठो प्रहरी कार्यालयसे ७ द जाने अनुसन्धान करले बाटै। केन्द्रीय अनुसन्धान व्यूरोसे किल ४४ जाने घटनाबारे अनुसन्धान करसेकल बाटै।

थ्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

सकेसम्म स्वदेशमा नै परिश्रम गर्ने, विदेशमा गएर पैसा कमाउन त्यति सजिलो छैन।

- असल थ्रम सम्बन्धको आधार, सामाजिक सुरक्षा र रोजगार।
- औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गर्ने, व्यवसायीजन्य रोग लाग्नबाट बच्ने।
- सुमधुर थ्रम सम्बन्ध कायम गर्ने, उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने।
- कार्य स्थलमा सुरक्षाका उपकरणहरु उपयोग गर्ने, प्राणघातक रोग लाग्नबाट बच्ने।
- योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा, हाम्रो साभा प्रतिवद्दता।
- बाल श्रमको प्रयोग नगरौ, नगराङौ।
- बालकालिकालाई कुनै पनि किसिमको श्रममा संलग्न नगराउन।
- १८ वर्ष उमेर पूरा न भएका बालबालिकालाई श्रममा संलग्न नगराउन कानूनी रूपमा दण्डनीय अपराध हो।
- बाल श्रमको प्रयोग गर्नु कानूनी मात्र होइना सामाजिक अपराध पनि हो।

थ्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

व्यक्तिगत घटना समयमा नै दर्ता गराउँ।

- जन्म, मृत्यु, विवाह, सम्बन्ध विच्छेद तथा बसाईसराई जस्ता व्यक्तिगत घटना समयमा नै दर्ता गराउँ गराउँ।
- व्यक्तिगत घटना दर्ता व्यक्ति पहिचानको पहिलो आधार हो।
- यस्ता घटना ३५ दिनभित्र स्थानीय पञ्चिकाधिकारीको कार्यालय (वडा कार्यालय) मा नि:शुल्क रूपमा दर्ता गर्न सकिन्दछ।
- विकासका योजना तर्जमा गर्ने, राज्यबाट नागरिकलाई प्रदान गरिने सेवा सुविधा सुनिश्चित गर्ने, जनसंख्याको विवरण अद्यावधिक लगायतका कार्यका लागि व्यक्तिगत घटना दर्ता आवश्यक छ।



नेपाल सरकार

विज्ञापन बोर्ड

विकित्सक आउने बारे सूचना

डा. साजन थापा

एमबीबीएस (केयु), एमडी (बंलादेश)

क्यान्सर रोग विशेषज्ञ (Oncologist)

डाक्टर आउने मिति:

२०७९ माघ ६ गते

हाल कार्यरत: सुरील कोइराला प्रखर व्यान्सर अस्पताल

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाला सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमजेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधिनिक प्याथोलोजी, रंगीन इन्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सर, रंगीन भिडियो एक्सर, अत्याधिनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकूलीन एम्बुलेन्स, वातानुकूलीन क्याविन। २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बॉफोपेन